बिजली के लिए केंद्र को त्राहिमाम संदेश

जागरण ब्यूरो, पटना : गंभीर विद्युत संकट झेल रहे बिहार ने केंद्र सरकार को त्राहिमाम संदेश भेजा है। ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री वीरप्पा मोइली को पत्र लिखकर तुरंत कार्रवाई का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि सेंट्रल सेक्टर की आवंटित इकाइयों में अगर उत्पादन प्रभावित होता है तो सूबे को गैर-आवंटित कोटे से बिजली दी जाए। पत्र के मुताबिक सूबे को आवश्यकता से

- ऊर्जा मंत्री ने वीरप्पा मोइली को लिखा पत्र
- सूबे को मिल रही 1000 मेगावाट से कम बिजली

अभी आधी से भी कम बिजली मिल रही है। 1883 मेगावाट के केंद्रीय आवंटन की जगह लगातार 1,000 मेगावाट से भी कम सप्लाई हो रही है। इतनी कम विद्युत आपूर्ति ने प्रदेश में बिजली का गंभीर संकट पैदा कर दिया है। बिहार को पूरी तरह से केंद्रीय सेक्टर से मिलने वाली बिजली पर ही निर्भर रहना पड़ता है, क्योंकि राज्य का खुद का विद्युत उत्पादन लगभग नगण्य है। प्रदेश को अभी जो भी बिजली मिल रही है, ■ शेष पृष्ठ 19 पर (संबंधित खबर पृष्ठ 03 पर)

बिजली के लिए केंद्र को त्राहिमाम संदेश

उसी में से रेलवे, नेपाल, रक्षा, एयरपोर्ट एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थापनाओं को भी विद्युत सप्लाई देनी पड़ती है। प्रदेश की औसत आवश्यकता करीब 2300 मेगावाट की है। ऊर्जा मंत्री के अनुसार कम वर्षा के कारण प्रदेश के कई भागों में सूखे जैसी स्थिति है। सिंचाई के लिए उन्हें निर्धारित समय पर बिजली देनी जरूरी है। सेंट्रल सेक्टर से बहुत कम बिजली मिलने के कारण शहरों में पेयजल की आपूर्ति भी प्रभावित है। इसके कारण जनता में आक्रोश व्याप्त है। त्योहार नजदीक है, और ऐसे में यह अति महत्वपूर्ण है कि विद्युत की उपलब्धता बेहतर की जाए।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से उन्होंने यह भी शिकायत की है कि फरक्का, तालचर और कहलगांव की एनटीपीसी की इकाइयां नियमित रूप से ब्रेकडाउन हो जाती हैं। चूक्का, ताला, तीस्ता और रंगीत हाइडल इकाइयों में बहुत कम बिजली का उत्पादन हो रहा है। विद्युत संकट ने सूबे में औद्योगिक विकास और कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रखा है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया है कि वे एनटीपीसी और एनएचपीसी को उत्पादन बढ़ाने के लिए कहें।